


२२-११-१६

पञ्जावली प्रेश डर्क । दलीम वाडी उपरिचयत वही । वाडी व
वाडी के दलीम को दितनी ही प्रतका विद्वियत तामक
दिल्लई जान के उबरोग तथा काम ५-१५ P.M तक भी
उपरिचयत वही होने के कारण वाडी का काड पत्र तदुप
हाजरी व तदुप के रवी में खारीज प्रिय जाण ही पञ्जावली
के दल श्रमार्दनी जादव कपतव काखिल ही ।


हालण्ड अधिकारी
माडल पिता भीलवाड़ा

1. 1000 ...
2. 1000 ...